वह परमेश्वर जो हमें मनाना चाहता है

मुझे आपको इकट्ठा करने दें और हम इस सप्ताह के हमारे
बड़े विषय पर ध्यान केंद्रित करने जा रहें हैं,

जो हैं 'वह परमेश्वर जो
हमें मनाना चाहता है।'

अब, आप में से जिनकी नज़र तेज़ है,
आपने देखा होगा कि मैं कुर्सी पर खड़ा हूँ।

मुझे कहने दें, सबसे पहले, यह मेरी ऊँचाई
की असुरक्षितता के कारण नहीं है।

मैं बहुत सुरक्षित हूँ। मैं पुरुषों की औसत ऊँचाई का हूँ,
मैं सोचता हूँ, अच्छा, मैं खुद को यही बताता हूँ।

मैं कुर्सी पर क्यों खड़ा हुआ हूँ? क्योंकि आज रात मैं
कोशिश करके आपको उदाहरण देना चाहता हूँ

की यीशु पर विश्वास करने का मतलब क्या है।

अब, हम इसके बारे में पिछले
कुछ सप्ताहों से सोच रहे हैं।

हमने यह मुहावरा बार बार सुना हैः
यीशु में विश्वास करना, यीशु में विश्वास रखना।

मैं कोशिश करके उदाहरण देते हुए बताना
चाहता हूँ की इसका मतलब क्या है।

अब, ये रहा। अगर मैं कुर्सी के पीछे की तरफ
गिरना चाहता, तो मैं क्या करता?

अगर मैं अब सिर्फ पीछे गिर जाऊँ,
मैं अपने आपको चोट पहुँचाऊँगा।

यह सच है, हाँ? और आप नहीं चाहते
कि मैं ऐसा करूँ, है ना?

नहीं, बिलकुल भी नहीं। तो मुझे एक स्वयंसेवक
कि ज़रूरत है। और यह कोई भी नहीं हो सकता

क्योंकि मुझे ऐसा कोई चाहिए जिसपर मैं भरोसा,
करता हूँ, कोई जिसे मैं लंबे समय से जानता हूँ,

© Lee McMunn, 2011

कोई जो विश्वासयोग्य हो,
कोई जो मैं जानता हूँ मुझे पसंद करता है,

और कोई जो मुझे गिराने वाला नहीं।
ठीक है, तो वह कौन हो सकता है?

मैंने गैरी को चुना है। तो बाहर आएं गैरी।
अब, मैं गैरी को कुछ सालों से जानता हूँ।

गैरी बहुत विश्वासयोग्य है।
तो मेरा मौका है आपको दिखाने के लिए

की मुझे गैरी पर विश्वास है। अब, यह अंधा
विश्वास नहीं है। मैं गैरी पर विश्वास करता हूँ।

मैं मानता हूँ कि वह विश्वासयोग्य है।
मैं मनाना हूँ कि वह मुझे पसंद करता है।

और कि वह मुझे पकड़ लेगा। अब, मैं सिर्फ
कह सकता हूँ मैं गैरी पर विश्वास करता हूँ,

परंतु मैं सचमुच कैसे जान सकता हूँ कि मैं गैरी में विश्वास
करता हूँ? अच्छा, मुझे यह दिखाना होगा, है ना?

मुझे यह आपको सचमुच साबित करना होगा।
इसे बहुत ही सक्रीय होना जरूरी है।

तो क्या आप चाहेंगे कि मैं आपको दिखाऊँ कि
मैं गैरी में विश्वास करता हूँ? ठीक है?

तो अगर मैं ऐसा करता हूँ, और फिर
अगर मैं गैरी में विश्वास करता हूँ....

तो! बहुत बहुत धन्यवाद, गैरी।
आप बैठ सकते हैं।

यीशु में विश्वास करने का क्या मतलब है?
अच्छा, यीशु पर भरोसा करना, यीशु में विश्वास करना -

इनका एक ही मतलब है -
यह बहुत ही सक्रीय चीज़ हैं।

यह सिर्फ यीशु से जुड़ी चीज़ों
पर विश्वास करना नहीं है।

© Lee McMunn, 2011

यहाँ व्यक्तिगत, सक्रीय आत्मसमर्पण है यीशु के प्रति।
परंतु यह अंधा विश्वास नहीं है।

हमें विश्वास दिलाया गया है उस प्रमाण द्वारा कि
हम यीशु पर भरोसा कर सकते हैं।

हमें विश्वास दिलाया गया है उस प्रमाण द्वारा
जिसे हम देखते हैं की हम कर सकते हैं और हमें

व्यक्तिगत रीति से यीशु को आत्मसमर्पण करना चाहिए।
अब, आप के पास यह प्रश्न होना चाहिए कीः

हम किस प्रकार के प्रमाण कि ओर देखें जो हमें
विश्वास दिलाए कि यीशु पर विश्वास करना

तर्कशील और उचित है? यही तो मैं
आपको आज रात दिखाना चाहता हूँ,

और यह यूहन्ना के सुसमाचार में है, तो अगर आप अपनी
युहन्ना के सुसमाचार की प्रति को पकड़ सकें।

और मेरे साथ यूहन्ना अध्याय 20 निकालें,
और आयत 24 खोजें।

और मैं आपके लिए आयतें 24 और 25
पढ़ना चाहता हूँ। यह सब होता है

यीशु के शारीरिक पुनरुत्थान के बाद,
और हमें यह बताया गया हैः

"परंतु बारहों में से एक, अर्थात थोमा जो
दिदुमुस कहलाता है जब यीशु आया तो

उनके साथ न था। जब अन्य चेले उससे कहने लगे,
'हम ने प्रभु को देखा है!' तब उसने उनसे कहा,

'जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के छेद न देख लूँ,
और कीलों के छेदों में अपनी ऊँगली न डाल लूँ,

और उसके पंजर में अपना हाथ न डाल लूँ,
तब तक मैं विश्वास नहीं करूँगा।'"

अब, जो पहली चीज़ मैं आपको
दिखाना चाहता हूँ वह है,

© Lee McMunn, 2011

और इन दो आयतों में मुझे यही बहुत पसंद है
जिन्हें अभी मैने पढ़ा, की वे कितने ईमानदार है।

क्योंकि थोमा यहाँ है, और हमें बताया गया है
की थोमा उन बारहों में से एक है।

वह है, थोमा यीशु के नज़दीकी
व्यक्तिगत चेलों में से एक था।

यीशु इन बारह पुरुषों को अलग ले गया था।
उसने उन्हें प्रशिक्षित किया था। उसने उन्हें सिखाया था।

उसने उन्हें उसके विशेष प्रवक्ता होने के लिए
तैयार किया था। और थोमा उस नवीन कलीसिया

के पहले अगुवों में से एक होने वाला था।
और तौभी हमें यहाँ क्या बताया गया है?

अच्छा, उसके मित्र उत्तेजित होकर उसके पास आते हैं
और उसे कहते हैं, 'थोमा!

हमने प्रभु को देखा है।' और वह क्या कहता है?
'अच्छा, जब तक मैं खुद न देखूँ,

मैं विश्वास नहीं करूँगा।'क्या आप सोच सकते
हैं कितना शर्मिंदगी भरा रहा होगा

थोमा के लिए उस पहली कलीसिया में?
क्या आप सोच सकते हैं उन सारी बातचीत को

जो उन लोगों में होती थी जो मसीही बन
रहें थे? 'उसे वापस दोहराओ, थोमा।

वे तेरे पास आए, और वे उत्तेजित थे, और उन्होंने कहा,

"हमने प्रभु यीशु मसीह को देखा है!"
तू ने फिर से क्या कहा?'

नहीं, नहीं, 'जब तक मैं ना देख
लूं मैं विश्वास नहीं करूँगा।'

तो प्रलोभन यह हो सकता था कि
कहानी के इस भाग को एयरब्रश कर दें।

क्या आपने कभी यह देखा है, उन कंप्यूटर
प्रोग्रामों में जो आपको मिल सकते हैं?

© Lee McMunn, 2011

फोटो एडिटिंग सॉफ्टवेयर - मुझे यह पसंद है!
क्या आप एअरब्रश टूल को जानते हैं?

मैं जानता हूँ आप मेरी ओर देख रहें है
और आप सोच रहें हैं, 'ना! आप ठीक हैं।

आपको बिलकुल भी एअरब्रश कि ज़रूरत नहीं।
मैं निश्चित हूँ आप चित्रों में बढ़ियां लगते हैं।'

परंतु नहीं, बिलकुल भी नहीं। मैं अपने
बालों में कुछ सफेद वाले पाता हूँ,

परंतु मुझे एअरब्रश टूल पसंद हैं। क्योंकि मैं वहाँ जा सकता हूँ

और अचानक सारे बाल काले हैं, यह अद्भुत है,

और मैं दस साल छोटा लगता हूँ। मुझे यह पसंद है!
क्या आपको नहीं? एअरब्रश टूल?

अच्छा, कैसा लालच रहा होगा
उन लोगों के लिए जो इन यीशु के

जीवन के शुरुआती लेखे को लिख रहे थे?

इन सारे भागों को एअरब्रश करना जो
उनके लिए शर्मनाक हो सकते थे।

परंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया। क्योंकि वे
इतने चिंतित थे सच बताने के लिए,

सम्पूर्ण सच, और कुछ नहीं परंतु सच,
कि उन्होंने हमें सब कुछ बताया।

यहाँ तक कि वे शर्मनाक चीज़ें भी
जो शायद वे चाहते कि वहाँ ना हों।

अब, हमें कोई जानकारी नहीं की थोमा कहाँ था।
मुझे यकीन है वह खुद पर गुस्सा हो रहा होगा

जब वह उस कमरे में आया और
उसके मित्रों ने कहा, "हमने प्रभु को देखा है!"

परंतु हम सचमुच कल्पना कर सकते हैं एक अलग
वातावरण कि जो वहाँ पहले था

उस वातावरण से जो
उसके बाद में वहाँ रहा होगा।

© Lee McMunn, 2011

तो किसी भी कारण से वह कमरे से निकला होगा,
और यह पहले कैसा रहा होगा?

अच्छा, वे बंद कमरे में थे, वे घबराए
हुए थे, वे हौसला खोएँ हुए थे,

वे भय से भरे थे। उनमें यह भावना थी,
कि 'अच्छा, इतने सारे वर्ष

हमने अपना समय और अपनी शक्ति लगाई
इस व्यक्ति का अनुसरण करने में

जिसे हमनें सोचा कि मसीहा था, परंतु वह अब
मर चुका है।' क्या कभी ऐसा ऐहसास हुआ?

आप जानते है, वे सारे घंटे आप ने
किसी चीज़ में लगा दिए,

और आप सोचते है यह सिर्फ समय की बरबादी है।
और तौभी, वह वापस आता है

और वह वातावरण बदल गया है।
वहाँ आनंद है, वहाँ अब आँसू नहीं हैं,

वहाँ कमरे में उत्तेजना है, और वे उसके
करीब आकर कहते हैं, 'थोमा!

हमने प्रभु यीशु को देखा है।'
और उसका कारण?

इसलिए नहीं क्योंकि वे खुद से कह रहें हैं,
'अच्छा, हमें विश्वास करना चाहिए,'

या 'हमने अपने पेट में से किसी तरह का विश्वास
जुटाया है और अब हम विश्वास कर सकते हैं,'

या 'हमें ऐसा करना ही चाहिए!'
नहीं, उसका कारणः 'हमने प्रभु को देखा है!'

अब, कैसे आप सोचते हैं थोमा ने
इस समाचार को प्रतिक्रिया दी होगी?

क्या आप सोचते है वह न्याय संगत था उसमें जो
उसने किया? क्या आप सोचते हैं

© Lee McMunn, 2011

उसे अपने मित्रों पर विश्वास करना चाहिए था
जब उन्होंने कहा, 'हमने प्रभु को देखा है।'

या क्या आप सोचते हैं कि वह उचित था?

अच्छा, बहुत सारे लोग, मैं सोचता हूँ,
थोमा के लिए बड़ी सहानुभूति रखते हैं।

वे सोचते हैं, 'अच्छा, वह काफी तर्कसंगत
दिखाई देता है। अगर मैं थोमा की जगह होता

मैं सोचता हूँ मैं प्रभु यीशु को
खुद देखने कि मांग करता।'

और हम यह कहते हैं क्योंकि
यह दावा एक बड़ा दावा है।

आप जानते हैं, अगर थोमा उस कमरे में
वापस आता और, उदाहरण के लिए

शिमौन पतरस ने उससे कहा होता, 'थोमा,
तू इसपर कभी विश्वास नहीं करेगा!

तू जानता है जब तू बाहर था?
तू जानता है क्या हुआ?

मैं अंद्रियास के साथ पत्ते खेले रहा
था, और मैंने उसे हरा दिया।'

अच्छा, मैं सोचता हूँ थोमा ने यह नहीं कहा होता,
'सचमुच? क्या तुझे यकीन हैं

क्या तेरे पास इसका कोई सबूत है?
मैं सच में इस पर विश्वास नहीं कर सकता।'

उसने सिर्फ यह कहा होता, 'हाँ, ठीक है।'
क्योंकि यह एक बड़ा दावा नहीं हैं।

जब मेरी माँ मुझे फोन करती है, और
वे हमेशा अच्छे फोन कॉल्स होते है

- आपकी माँ फोन करती है, और वह आपको बताती है कि
कैसे चल रहा है - और वह मुझ से कहती है,

'ली, मुझे बताने दो कि आपके पिता और मैंने
आज क्या किया,' और मैं कहता हूँ, 'वह क्या था?'

© Lee McMunn, 2011

और वह मुझसे कहती है, 'हम आईसक्रीम
खाने गए थे,' अच्छा, मैं अपनी माँ से नहीं कहता

'अच्छा, मैं आशा करता हूँ कि इसका
आपके पास कोई वीडियो सबूत है क्योंकि

जबतक मैं आपको आईसक्रीम खाते नहीं
देख लेता, मैं विश्वास नहीं करूँगा।'

नहीं, मैं ऐसा नहीं करता, क्योंकि यह
सब बहुत सामान्य है, है ना?

और तौभी थोमा के मित्रों का दावा था की
उन्होंने मरे हुए मसीहा को

मृतकों में से शारीरिक रूप से जी उठा देखा है,
और इसलिए हमें कुछ सहानुभूती है, है ना,

थोमा के साथ, जब कहता है, 'मैं देखना
चाहता हूँ विश्वास करने के लिए,'?

तो हमें थोमा का क्या करना है?
अच्छा, पहली चीज़ जो हमें समझनी है

वह यह है कि सबूत माँगता
कोई बुरी बात नहीं है।

बाइबल अंधे विश्वास की वकालत नहीं कर रहा।
यह उचित प्रतिक्रिया है सबूत के लिए

की हम प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं।
परंतु, इससे पहले की हम जल्दी जाएं

और हमारे 'आय लव थोमा' टी-शर्ट्स या 'थोमा
मेरा हीरो है' टी-शर्ट्स खरीदें,

मुझे आपको दिखाने दें कि क्यों थोमा को
कभी भी हमारा आदर्श नहीं होना चाहिए।

हमें आयत 26 में क्या बताया
गया है उसे देखेः

"आठ दिन के बाद उसके चेले फिर घर के भीतर थे,
और थोमा उनके साथ था,

© Lee McMunn, 2011

और द्वार बंद थे, तब यीशु आया
और उनके बीच में खड़े होकर कहा,

'तुम्हें शांति मिलें।' तब उसने थोमा से कहा,
'अपनी ऊँगली यहाँ लाकर मेरे हाथों को देख

और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल,
अविश्वासी नहीं परंतु विश्वासी हो।'"

यीशु उससे कुछ खुश नहीं है, है क्या?
"यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, 'हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर!'

यीशु ने उससे कहा, 'तू ने मुझे देखा है,
क्या इसलिए विश्वास किया है?

धन्य वे हैं जिन्होंने बिना
देखे विश्वास किया।'"

अब, ध्यान देने वाली पहली बात यह है की यीशु नहीं कहते,
'शश्! थोमा, नहीं!

चुप रह! क्या ही बेतुकी बात तूने की है।
"मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर?"

अपनी आवाज को नीची कर, थोमा।
यह घटिया विचार है।

तेरी हिम्मत कैसे हुई यह कहने की कि मैं
तेरा मालिक हूँ, कि मैं इस ब्रह्मॉड का प्रभु हूँ!

की मैं पूरी तरह और सम्पूर्णतया दैवी हूँ। अपनी
आवाज को नीची कर थोमा, यह बेहद बेतुका है!'

वह ऐसा नहीं कहता, है ना? वह स्वीकार करता है
जो थोमा कहता है वह सच है।

थोमा पूरी तरह से सही था। यीशु उसका
मालिक है, उसका प्रभु,

और पूरी तरह से और सम्पूर्णतया दैवी है।

हालांकि, यीशु ने वह स्वीकार किया जो
थोमा ने उसकी पहचान के बारे में कहा,

उसने कभी भी थोमा के मनोभाव
कि सराहना नहीं की।

© Lee McMunn, 2011

तो आप कभी भी प्रभु यीशु मसीह को यह कहते हुए नहीं
सुनते, 'ओह, शाबाश, थोमा। बहुत अच्छा।

हमें तेरे जैसे कुछ और लोगों की यहाँ जरूरत है।
तेरे जैसे मनोभाव के कुछ और लोग।

हमें ज्यादा से ज्यादा लोग चाहिए जो कहें,
"मुझे विश्वास करने के लिए पहले देखने की ज़रूरत है।"'

वह वास्तव में उससे क्या कहता है?
आयत 29: "तू ने मुझे देखा है,

क्या इसलिए विश्वास किया है? धन्य वे हैं
जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।"

अब, यीशु का मतलब क्या है, "धन्य वे
है जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया"?

अच्छा, इससे पहले कि आप कहें, 'आह! आपको
बताया था! मुझे यह पता था! मुझे यह पता था।

ये रहा यीशु के अपने शब्दों में। वह कह रहा है,
"आपके पास सिर्फ विश्वास होना चाहिए।"

सच में यही यीशु कह रहा है,
"अच्छा, आप देख नहीं सकते,

तब तो शायद आप भी आँखों पर पट्टी बांध लें
और अंधेरे में छलांग लगा दें।"'

अच्छा, आप इसे समाप्त करने से पहले,
देखें की हमें आयत 30 में क्या बताया गया है:

"यीशु ने और भी बहुत से
चिह्न चेलों के सामने दिखाए

जो इस पुस्तक में लिखें नहीं गए,
परंतु ये इसलिए लिखे गए हैं कि विश्वास करो

कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह
है, और विश्वास

करके उसके नाम से जीवन पाओ।"

अब, क्या आप देखते हैं यह आयतें हमें कैसे मदद
करती हैं समझने में जो यीशु ने अभी कहा है?

© Lee McMunn, 2011

तो जब यीशु कहता है, "धन्य हैं वे जिन्होंने
बिना देखे विश्वास किया,"

वह उन लोगों के बारे में नहीं
कह रहा जो, भविष्य में विश्वास करेंगे

बिना किसी भी सबूत के। वह उन लोगों के बारे
में कह रहा है जो, भविष्य में

विश्वास करेंगे इसलिए नहीं क्योंकि उन्होंने यीशु
को देखा है परंतु क्योंकि उन्होंने विश्वास किया

उस विश्वसनीय आँखों देखी गवाही पर जो अन्य
लोगों द्वारा लिखि गई जिन्होने देखा है।

या दूसरे शब्दों में, वह उन लोगों के बारे में
बात कर रहा है जो, भविष्य में

वह करेंगे जो थोमा को भूतकाल में करना
चाहिए था। और वह क्या था?

उसके मित्रों की आँखों देखी गवाही पर विश्वास करना।

अब, कुछ लोग इस समय कहेंगे,
'नहीं। यह नहीं होने वाला है।

मुझे इससे ज्यादा की ज़रूरत है। मुझे केवल एक
पुस्तक के शब्दों से कुछ ज्यादा की ज़रूरत है

ऐसा जीवन बदल देनेवाला निर्णय लेने के लिए।
मुझे विश्वास करने के लिए देखने की ज़रूरत है।

बस इतना काफी नहीं। मुझे इससे ज्यादा सबूत की
ज़रूरत है। मुझे देखने की ज़रूरत है,

और शायद यीशु को खुद छूने की भी।'
अच्छा, क्या मैं आपको एक छोटा उत्तर दूँ?

नहीं, ऐसा नहीं है। अब, क्या मैं आपको कारण दूँ?

दो कारण क्यों हमें यीशु को खुद देखने की
जरूरत नहीं उस पर विश्वास करने के लिए।

पहले वाला हर दिन का उदाहरण है।
हम यह हमारे देश में देखते हैं,

© Lee McMunn, 2011

हम इसे दुनिया भर के देशों में हर रोज
कायदे-कानूनों के न्यायालयों में देखते हैं।

अगर आप कल्पना करें की हर रोज
न्यायपीठों को क्या करना होता है,

मान लीजिए वे इकट्ठा हो रहें हैं
क्योंकि एक गुनाह हुआ है,

और उन्हें उस का फैसला सुनाना है,
जो प्रस्तुत किया गया एक अपराध करते हुए।

अच्छा, वे क्या करते हैं? न्यायपीठों ने गुनाह
होते नहीं देखा है, देखा है क्या?

परंतु वे इकट्ठा होते हैं और शायद कुछ दिनों तक,
शायद कुछ सप्ताहों तक,

उनको सबूत पेश किया जाता है। सभी तरह के
सबूत उनकी ओर डाल दिए जाते हैं।

परंतु बड़ी चीज़ों में से एक जो वे देख
और सुन सकते हैं वह है? आँखों देखी गवाही।

अगर किसी और ने उसे देखने
का दावा किया है, दर असल

अगर आपके पास अनेक आखों देखी
गवाही है, अच्छा, यह बढिया है।

क्योंकि फिर वह न्यायपीठ क्या करता है?
अच्छा, एक बार यह स्थापित होता है

की वे आँखों देखे गवाह विश्वसनीय और भरोसेमंद हैं,
तो वह विश्वास करता है जो वे कहते हैं।

यह होता है। हर दिन, सारी दुनिया में।
और अगर हम न्यायपीठ पर होते,

हम नहीं कह सकते, 'मुझे माफ करो,
मैं मेरा निर्णय नहीं ले सकता

क्योंकि मुझे विश्वास करने के लिए
देखना जरूरी है।'इस तरह से कार्य नहीं होते।

© Lee McMunn, 2011

बड़े, जीवन बदल देनेवाले निर्णय रोज़ लिए
जाते है उन लोगों के द्वारा जिन्होंने नहीं देखा,

परंतु उन्होंने भरोसा किया उन लोगों की
विश्वासयोग्य गवाहियों पर जिन्होंने देखा है,

और इसलिए उन्होंने अपने निर्णय लिए।

अब, जो दूसरा कारण की हमें यीशु को देखने की
जरूरत नहीं उस पर विश्वास करने के लिए

वह है क्योंकि जो यीशु कहते हैं।
आप जानते है, यीशु की बड़ी योजना

उसके समाचार को सारे जगत में फैलाने केलिए...

अच्छा, वह सारे जगत में थोमा जैसे व्यक्तियों
का सामना करना नहीं है, है क्या?

वह यह कर सकता था। वह कह सकता था,
'जिस तरह मैं दुनिया को बदलने वाला हूँ

वह है मैं व्यक्तिगत रीति से प्रत्येक व्यक्ति
को एक-एक करके प्रगट होनेवाला हूँ,

और वे मुझे देखने वाले हैं।' परंतु उसने कहा, 'नहीं।

मेरी योजना इस महान समाचार को दुनिया को
बताने की यह है कि लोगों का

उन आँखों देखी गवाही से संलग्न होना है जो इस
तरह की पुस्तकों में लिखी गई है।'

अब, सिर्फ कुछ ही मिनिटों में मैं
कोशिश करके समझाने जा रहा हूँ

क्यों मैं सोचता हूँ हम विश्वास कर सकते हैं जो
इस तरह की पुस्तकों में लिखा गया है।

परंतु मैं जानता हूँ की मैं आज रात काफी
विवादास्पद बातें कह चुका हूँ,

तो क्यों ना आप अपने टेबलों पर कुछ मिनट लें जो
मैंने कहा है उसके बारे में चर्चा करने के लिए,

और फिर कुछ मिनिटों के बाद
हम देखेंगे हम आगे कैसे बढ़ें।

© Lee McMunn, 2011

Identity – Who is God? Who are we?

© Lee McMunn, 2011

All rights reserved. Except as may be permitted by the Copyright Act, no part of this publication may be reproduced in any form or by any means without prior permission from the publisher.

Published by 10Publishing, a division of 10ofThose Limited.

All Hindi scripture quotations are taken from Hindi-O.V. © The Bible Society of India.

10Publishing, a division of 10ofthose.com
Unit 19 Common Bank Industrial Estate, Ackhurst Road, Chorley, PR7 1NH, England.
Email: info@10ofthose.com
Website: www.10ofthose.com